प्रतिक्रांतिकारी दमन योजना ‘समाधान’ के खिलाफ

25 से 31 जनवरी, 2019 तक प्रचार अभियान एवं

31 जनवरी को भारत बंद सफल बनावें!

- प्रचार सप्ताह के दौरान सभा, सम्मेलनों, रैलियों, संगोष्ठियों, आमसभाओं का आयोजन करना चाहिए!
- गीत, नृत्य, नुक्कड़ आदि के जरिए सांस्कृतिक संगठनों को निम्नांकित मामलों पर जनता के बीच में व्यापक प्रचार करना चाहिए.
- प्रतिक्रांतिकारी रणनीतिक फासीवादी दमन योजना ‘समाधान’(2017–22) का उद्देश्य है, देश में नवजनवादी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवस्था के निर्माण के लिए जारी जनयुद्ध, उसे संचालित करने वाली पार्टी भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी), उसकी जन मुक्ति छापामार सेना, उसके नेतृत्व में स्थापित जनताना सरकारों को खत्म करना.
- देश की प्राकृतिक संपदाओं, जल–जंगल–जमीन व संसाधनों को कौड़ियों के भाव देशी, विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हवाले करना.
- उत्पीड़ित जातियों को दबाकर उच्च जातियों का प्रभुत्व कायम करना;

हिंदू धर्मोन्माद के जरिए अल्पसंख्यकों को दबाकर हिंदू राष्ट्र का निर्माण करना; कश्मीर, असोम, नागा सहित तमाम राष्ट्रीयताओं की आजादी के आंदोलनों को दबाना. यही है, मोदी के सपनों का ‘नया भारत’.

- इसीलिए मोदी द्वारा आए दिन प्रवचित व प्रचारित जनविरोधी ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी ‘नया भारत’ के सपने को ध्वस्त करना होगा.
- नवजनवादी क्रांति के लिए जारी जनयुद्ध को तेज करके समाधान को हराना होगा. इस हेतु पीएलजीए में बड़े पैमाने पर युवाओं की भर्ती करना चाहए. पीएलजीए को मजबूत करना चाहिए.
- क्रांतिकारी आंदोलन के खात्मे के लिए शोषक सरकारों द्वारा अपनायी गयी ‘अपनी ही उंगलियों से अपनी आंखें फोड़वाने’ की नीति के तहत जारी ‘बस्तरिया बटालियन’, ‘आदिवासी बटालियन’ की भर्ती का बहिष्कार करना चाहिए. धोखेबाजीपूर्ण आत्मसमर्पण नीति को लात मारना चाहिए.
- दंडकारण्य के संघर्ष इलाकों में जारी मुठभेड़ों, झूठी मुठभेड़ों व नरसंहारों(पूजारी कांकेर, आइपेटा, तिम्मेम, कसनूर–तुमिरगुंडा, नुल्कातोंग, गुमियाबेडा आदि), जनता की बेदम पिटाई, महिलाओं पर अनगिनत अत्याचारों व हत्याओं, अवेध गिरफ्तारियों, कड़ी सजाओं के खिलाफ आवाज बुलंद करना चाहिए.
- देश के प्रगतिशील–जनवादी–देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ताओं, बद्धिजीवियों, लेखकों, पत्रकारों, कलाकारों, मानवाधिकार संगठनों व कार्यकर्ताओं, जनपक्षधर आदिवासी, गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं पर हमलों व उनकी हत्याओं के खिलाफ सड़क पर उतरकर जुझारु आंदोलन करना चाहिए.
- दंडकारण्य में लुटेरे शोषक–शासक वर्गों की राज्यसत्ता को उखाड़ फेंकते हुए असली आजादी, असली विकास व स्वशासन की दिशा में कदम बढ़ाती जनता की जनवादी राज्यसत्ता के संगठन क्रांतिकारी जनताना सरकारों को बचाना, मजबूत करना एवं उनका विस्तार करना चाहिए.

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी)